ई-पत्रिका(I)

Green Planet
SINCE 2002

ग्रीन मोर्निंग

मिशन : धरती माँ को बचाओ

जनवरी 2025

खुद पर भरोसा और सही
मार्गदर्शन: सफलता का राज

Read on 08-09
Vision & Voice With

बल्लालनाथ सुर्यकांत शिंदे

पॉवर प्लांट | न्यूटवेट्स | हर्बन्यूट्स | होमडेट्स प्रोडक्ट्स | हर्बकोस

Green Planet
SINCE 2002

विषय सूची

- कृषि उत्पाद
- फसल चक्र
- एक्वा ग्रो जेल
- सर्वोत्तम परिणाम
- हेल्थ केयर प्रोडक्ट्स
- पशुचिकित्सक की देखभाल
- मछली पालन में फीड सप्लीमेंट्स
- बल्लालनाथ सुर्यकांत शिंदे
- कैनोपी डे
- किसान मेला:पुणे

Green Planet
SINCE 2002

जैविक संरक्षण
आपकी फसलों के लिए....

कृषि उत्पाद

पौधों की वृद्धि के लिए संतुलित पोषण

फसल चक्र

फसल चक्र का मतलब :

ग्रामीण के क्षेत्रमें में क्रॉप चक्रक्रमण (घूर्नी-चक्रक्रमण) की प्रथा बुहुत महत्वपूर्ण है। फसल चक्र (Crop Rotation) का अर्थ है खेत में हर साल अलग-अलग फसलें उगाना। यह क्रिषि ग्रामीण की जमीन बढाती है और मिट्टी की गुणवत्ता को बनाया जा सकता है। गाँवों के औच्छ प्रकार के लिए भी यह चारा है।

फसल चक्र क्यों ज़रूरी है?

1.**मिट्टी की उर्वरता बनी रहती है:** एक ही फसल लगातार उगाने से मिट्टी के पोषक तत्व खत्म हो जाते हैं। फसल चक्र से मिट्टी को समय-समय पर आराम मिलता है।

2.**खरपतवार और कीटों पर नियंत्रण:** फसल बदलने से कीट और खरपतवार के विकास में कमी आती है।

3.**पानी का सही उपयोग:** अलग-अलग फसलों को पानी की अलग मात्रा चाहिए होती है। फसल चक्र से पानी की खपत कम होती है।

4.**लागत में कमी:** फसल चक्र से उर्वरक और कीटनाशकों की आवश्यकता कम होती है, जिससे किसानों का खर्च घटता है।

5.**ग्रामीण की जमीन बढाना:** जमीन के लिए नीबी और क्षीरी चीजों को क्रमशील करने से ग्रामीण की जमीन बढाई जा सकती है।

कैसे करें फसल चक्र?

1.**दलहनी फसलें उगाएं:** चना, मूंग, उड़द जैसी फसलें मिट्टी में नाइट्रोजन बढ़ाती हैं।

2.**गेहूं और धान के साथ परिवर्तन करें:** एक बार गेहूं-धान उगाने के बाद दलहनी या तिलहनी फसलें उगाएं।

3.**सब्जियां और फसलों का मिश्रण:** सब्जियों के साथ अनाज, दलहन, या तिलहन का मिश्रण उगाएं।

4.**सत्र के हिसाब से फसलें बदलें:** रबी (सर्दी), खरीफ (बरसात), और जायद (गर्मी) के मौसम में अलग-अलग फसलें उगाएं।

उदाहरण:

- खरीफ में धान, रबी में गेहूं, और उसके बाद मूंग या तिल उगाना।
- मक्का के बाद सरसों या सूरजमुखी उगाना।

फसल चक्र के फायदे:

- मिट्टी का स्वास्थ्य बेहतर होता है।
- उत्पादन बढ़ता है।
- कीटनाशकों पर खर्च कम होता है।
- पर्यावरण संरक्षण में मदद मिलती है।
- मिट्टी के प्रदूषण को बनाती है।

निष्कर्ष:

फसल चक्र अपनाना आसान और फायदेमंद है। ग्रामीण किसान इसे अपनाकर अपनी आय बढ़ा सकते हैं और खेतों को लंबे समय तक उपजाऊ बनाए रख सकते हैं।
अगर आपको कोई जानकारी या सहायता चाहिए, तो नजदीकी कृषि अधिकारी या किसान सेवा केंद्र से संपर्क करें।

Green Planet
SINCE 2002

पॉवर प्लांट
एक्वा ग्रो जेल

Aqua grow Gel एक अभिनव उर्वरक है, जो कृषि क्षेत्र में जलवायु परिवर्तन और जल संकट से निपटने के लिए एक प्रभावी समाधान साबित हो रहा है। यह एक जल-धारण करने वाला पदार्थ है, जिसे मिट्टी में मिलाने से जल को लंबे समय तक संरक्षित किया जा सकता है, जिससे पौधों को लगातार नमी मिलती रहती है। Aqua grow Gel का उपयोग मुख्य रूप से फसलों के लिए किया जाता है, और यह विभिन्न प्रकार के पौधों में फसल उत्पादन को बढ़ाने के लिए उपयोगी होता है।

Aqua grow Gel के मुख्य घटक नैनो-मटेरियल्स होते हैं, जो पानी को सोखकर उसे सूखे दिनों में धीरे-धीरे छोड़ते हैं। यह मिट्टी में पानी की उपलब्धता को बढ़ाता है और पौधों को जल की कमी से बचाता है। इसके उपयोग से मिट्टी की नमी बनी रहती है, जो पौधों के विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसके अलावा, Aqua grow Gel का उपयोग न केवल पानी की बचत करता है, बल्कि यह रासायनिक उर्वरकों के प्रभाव को भी संतुलित करता है, जिससे पर्यावरणीय प्रभाव कम होते हैं।

यह विशेष रूप से उन क्षेत्रों में फायदेमंद है, जहां जल की कमी होती है, और जहां भूमि में जल का अवशोषण कम होता है। इसके अलावा, Aqua grow Gel का उपयोग फसलों की उपज बढ़ाने में भी सहायक है। यह मिट्टी में खनिजों के अवशोषण में मदद करता है और फसल के विकास में सहायक तत्वों की आपूर्ति करता है। खासकर, जलवायु परिवर्तन से प्रभावित क्षेत्रों में Aqua grow Gel का उपयोग फसल की गुणवत्ता और उत्पादन को बेहतर बनाने में मदद करता है।

Aqua grow Gel का इस्तेमाल बहुत ही सरल है और यह सभी प्रकार की फसलों के लिए उपयुक्त होता है। इसे खेतों में मिट्टी के साथ मिलाकर या सीधे पौधों की जड़ों में डाला जा सकता है। इस उर्वरक का एक ओर लाभ यह है कि यह दीर्घकालिक प्रभाव डालता है, जिससे किसानों को बार-बार पानी देने की आवश्यकता नहीं होती और वे जल संकट से बच सकते हैं।

अंत में, Aqua grow Gel उर्वरक कृषि में जल प्रबंधन और फसल उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। इसका सही उपयोग पर्यावरण को बचाने के साथ-साथ कृषि क्षेत्र की उत्पादकता को भी बढ़ाता है।

सर्वोत्तम परिणाम

तानाजी पाटील

मेरा नाम तानाजी पाटील है। मैं तहमिल परंडा, जिला धाराशीव (उस्मानाबाद), महाराष्ट्र का किसान हूँ। मैंने तुअर और उड़द फसलों में पहली बार ग्रीन प्लैनेट के ऑर्गेनिक प्रोडक्ट जैसे भूमि पावर, प्रोम, एसटी, ग्रो, नाइट्रोकिंग, ब्लूम और स्प्रेड ऑल 90 का इस्तेमाल किया। इससे मुझे बहुत लाभ हुआ। ग्रीन प्लैनेट के एसटी बीज उपचार से बीजों की अंकुरण क्षमता बढ़ी और अंकुरण समान रूप से हुआ। भूमि पावर, प्रीमियम और प्रोम का उपयोग करने से फसल को सभी पोषक तत्व मिले, जिससे मेरी फसल इस इलाके में सबसे बेहतर हुई। मैंने यह उत्पाद 3 एकड़ में इस्तेमाल किए, और वहां की फसल बहुत अच्छी आई। वहीं, 3 एकड़ में केवल स्प्रे किया, तो पौधों की वृद्धि और विकास कम हुआ। जहां केवल रासायनिक उर्वरकों का इस्तेमाल किया, वहां फसल बहुत खराब हो गई।मेरे दोस्त ने एक साल से मुझे ग्रीन प्लैनेट के उत्पाद इस्तेमाल करने के लिए कहा था, लेकिन मैंने भरोसा नहीं किया। इस साल पहली बार मैंने इनके उत्पाद इस्तेमाल किए और मुझे बहुत अच्छे परिणाम मिले। मैंने उड़द की 3.5 बैग से 40 क्विंटल का उत्पादन लिया, जो पहले कभी नहीं मिला, और तुअर की फसल भी बहुत बढ़िया हुई है। मैं ग्रीन प्लैनेट के जैविक उत्पादों का इस्तेमाल करके बहुत खुश हूँ। अब मैं अपनी 40 एकड़ जमीन पर ग्रीन प्लैनेट के उत्पाद इस्तेमाल करूंगा अपने सभी साथियों को ग्रीन प्लैनेट मिशन के बारे में बताता हूँ और उन्हें भी ये उत्पाद इस्तेमाल करने के लिए प्रेरित करता हूँ।अब मेरे गांव के किसान गन्ना, प्याज, गेहूं, ज्वार, चना, आलू जैसी फसलों में ग्रीन प्लैनेट के उत्पादों का उपयोग कर रहे हैं। ग्रीन प्लैनेट के प्रतिनिधि हमें समय-समय पर उचित जानकारी देते हैं, जिसका हमें बहुत लाभ हो रहा है। यही वजह है कि हमारे गांव के किसान ग्रीन प्लैनेट के अभियान से जुड़ रहे हैं।

साहेबराव मुळे

मेरा नाम साहेबराव मुळे है। मैं तहमिल, जिला लातूर, महाराष्ट्र का किसान हूँ। मैं पिछले 6 सालों से ग्रीन प्लैनेट के प्रोडक्ट्स जैसे भूमि पावर, प्रोम, पोटैश, एसटी, ग्रो, नाइट्रोकिंग, ब्लूम और स्प्रेड ऑल 90 का इस्तेमाल कर रहा हूँ। इससे मुझे बहुत लाभ हुआ है। ग्रीन प्लैनेट के एसटी बीज उपचार से बीजों की अंकुरण क्षमता बढ़ती है और अंकुरण समान रूप से होता है। भूमि पावर, प्रीमियम और प्रोम का उपयोग करने से फसल को सभी आवश्यक पोषक तत्व मिलते हैं, जिससे मेरी गन्ने की फसल बहुत बढ़िया आई है और कम लागत में अच्छे परिणाम मिले हैं। पानी की कमी के बावजूद गन्ने का उत्पादन बहुत अच्छा हुआ। मैं अपनी 12 एकड़ गन्ने की फसल में ग्रीन प्लैनेट के प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल कर रहा हूँ। इससे मेरा रासायनिक उर्वरकों का खर्च 50-60% तक कम हुआ है।मैं ग्रीन प्लैनेट के जैविक उत्पादों का इस्तेमाल करके बहुत खुश हूँ। अब मैं सभी फसलों में ग्रीन प्लैनेट के प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल कर रहा हूँ और अपने सभी साथियों को ग्रीन प्लैनेट मिशन के बारे में बताता हूँ और उन्हें भी ये प्रोडक्ट्स इस्तेमाल करने के लिए प्रेरित करता हूँ। अब मेरे गांव के किसान गन्ना, गेहूं, ज्वार, चना, सोयाबीन आदि फसलों में ग्रीन प्लैनेट के प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल कर रहे हैं। ग्रीन प्लैनेट के प्रतिनिधि हमें समय-समय पर उचित जानकारी देते हैं, जिसका हमें बहुत लाभ हो रहा है। किसान भाई ग्रीन प्लैनेट के अच्छे परिणामों की वजह से इस अभियान से जुड़ रहे हैं।

Green Planet
SINCE 2002

हेल्थ केयर

आपके पोषक तत्वों की कमी को पूरा करें

- आयुर्वेदिक
- ब्यूटी केयर
- पर्सनल केयर
- एँफ़ एम् सी जी
- फ़ूड सुपप्लिमेंट्स

Green Planet
SINCE 2002

वेट केयर
प्रोडक्ट्स
आप के मवेशियों की जरूरतों का समाधान

मछली पालन में फीड सप्लीमेंट्स

मछली पालन में फीड सप्लीमेंट्स (Feed Supplements) का उपयोग मछलियों को आवश्यक पोषक तत्वों की कमी को पूरा करने के लिए किया जाता है। यह मछलियों के आहार में अतिरिक्त पोषण और संतुलन जोड़ता है, जो उनके स्वास्थ्य, वृद्धि, और उत्पादन को बेहतर बनाने में मदद करता है। फीड सप्लीमेंट्स का उपयोग विशेष रूप से तब किया जाता है जब मछलियों को सामान्य आहार से आवश्यक सभी पोषक तत्व नहीं मिल पाते हैं।

प्रमुख फीड सप्लीमेंट्स जो मछली के आहार में जोड़े जाते हैं:

प्रोटीन सप्लीमेंट्स: मछलियों के लिए प्रोटीन एक महत्वपूर्ण पोषक तत्व होता है, जो उनके विकास और मांसपेशियों की वृद्धि में मदद करता है।

सोया, मक्का, फिशमिल और मीटमिल जैसे प्रोटीन स्रोत मछली आहार में जोड़े जाते हैं, जो मछलियों के प्रोटीन की आवश्यकता को पूरा करते हैं।

विटामिन सप्लीमेंट्स:

मछलियों के लिए विटामिन A, D, E, K, और C महत्वपूर्ण होते हैं।

इन विटामिनों की कमी से मछलियों में कई तरह की बीमारियाँ हो सकती हैं, जैसे त्वचा की समस्याएं, हड्डियों की कमजोरियां, और प्रतिरक्षा प्रणाली में कमी।

विटामिन ए, डी3, और ई जैसे सप्लीमेंट्स मछलियों के लिए विशेष रूप से उपयोगी होते हैं।

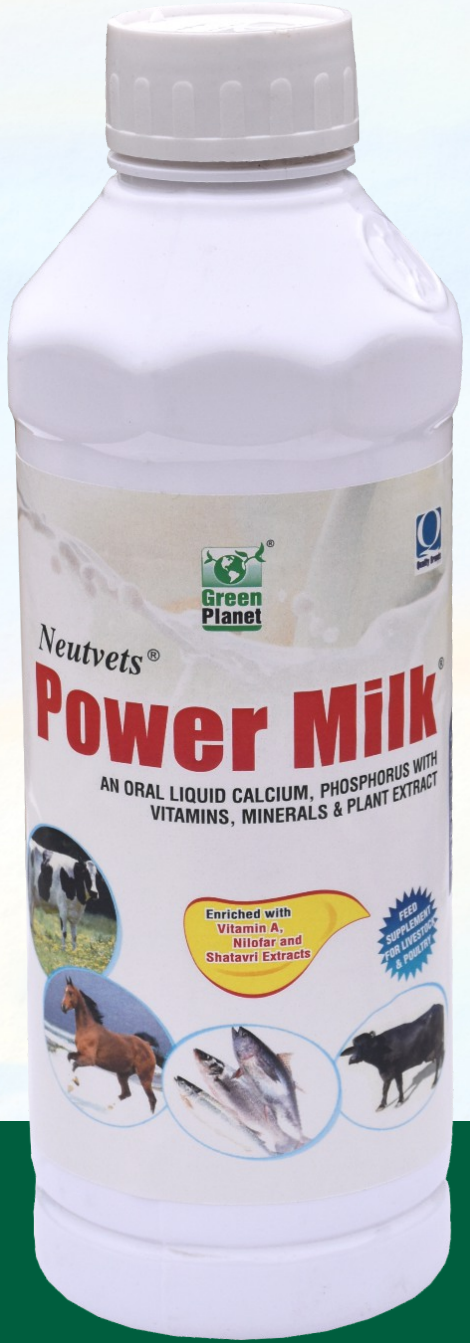

खनिज (Minerals) सप्लीमेंट्स:

मछलियों के लिए खनिजों जैसे कैल्शियम, फास्फोरस, जिंक, और आयरन की आवश्यकता होती है, जो उनके हड्डियों और मांसपेशियों के विकास में मदद करते हैं।

कैल्शियम और फास्फोरस मछलियों की हड्डियों और दांतों के स्वास्थ्य के लिए बहुत महत्वपूर्ण होते हैं।

फैटी एसिड सप्लीमेंट्स:

ओमेगा-3 और ओमेगा-6 फैटी एसिड मछलियों के लिए महत्वपूर्ण होते हैं, क्योंकि ये उनके स्वास्थ्य और शरीर के कार्यों के लिए आवश्यक होते हैं।

यह सप्लीमेंट्स मछलियों के हृदय और रक्त परिसंचरण को स्वस्थ बनाए रखने में मदद करते हैं।

एंजाइम सप्लीमेंट्स:

एंजाइम मछलियों के पाचन तंत्र में सहायता करते हैं, जिससे वे अपने आहार से अधिक पोषक तत्व अवशोषित कर पाती हैं।

प्रोटियेज, लिपेज, और अमाइलेज जैसे एंजाइम मछलियों के पाचन में मदद करते हैं।

आहार फाइबर (Fibre) सप्लीमेंट्स:

फाइबर मछलियों के पाचन में मदद करता है और आंतों के स्वास्थ्य को बनाए रखता है।

यह मछलियों के वजन को नियंत्रित करने में भी मदद करता है और उनके पाचन तंत्र को स्वस्थ रखता है।

आप मछली पालन के लिए ग्रीन प्लैनेट के पशु चिकित्सक फ़ीड अनुपूरक उत्पाद का उपयोग कर सकते हैं। ये उत्पाद खनिज, विटामिन और पौधों के अर्क का अनोखा मिश्रण हैं। अधिक जानकारी के लिए आप हमारी वेबसाइट पर जा सकते हैं।

पावर मिल्क: 100 किलो फ़ीड में 1 लीटर

खनिज मिश्रण: 100 किलो फ़ीड में 1 किलो

फीड सप्लीमेंट्स मछली पालन में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ये मछलियों को अतिरिक्त पोषक तत्व प्रदान करते हैं जो उनके स्वास्थ्य, वृद्धि, और उत्पादन को बेहतर बनाते हैं। सही सप्लीमेंट्स का चयन मछली पालन के उद्देश्य, मछली की प्रजाति, और आहार की गुणवत्ता पर निर्भर करता है।

Vision & Voice With
बल्लालनाथ सुर्यकांत शिंदे

सभी को मेरा Green Morning! मेरा नाम बल्लालनाथ सुर्यकांत शिंदे है। मैं महाराष्ट्र के लातूर जिले के चिंचोली गांव का रहने वाला हूं। मेरी 12वीं तक की शिक्षा गांव के सरकारी स्कूल में पूरी हुई। इसके बाद मैंने ITI किया और पुणे में प्राइवेट कंपनी में 2006 में नौकरी शुरू की। नौकरी करते हुए मैंने ग्रेजुएशन भी पूरा किया। मेरे परिवार में माता-पिता, भाई, पत्नी और बच्चे हैं। 2006 से 2012 तक मैंने पुणे और लातूर में प्राइवेट कंपनियों में काम किया, लेकिन इसमें संतुष्टि नहीं मिली। 2012 में मैंने कंस्ट्रक्शन मटेरियल की दुकान शुरू की और व्यवसाय में कदम रखा। 2016 में मेरी दुकान पर एक वरिष्ठ की गाड़ी आई, जिस पर "Save the Mother Earth" का लोगो था। इसे देखकर मैंने ग्रीन प्लेनेट से जुड़ने का फैसला किया और अगस्त 2016 में इस मिशन के साथ काम शुरू किया। ग्रीन प्लेनेट का "Save the Mother Earth" अभियान मेरी सफलता की सबसे बड़ी प्रेरणा है। मेरे गुरु डॉ. कमलजीत सर ने हर कदम पर मुझे प्रेरित किया। उनकी ट्रेनिंग और मार्गदर्शन से मुझे सही दिशा मिली। मेरी टीम का समर्पण, एकजुटता और मेहनत भी मेरी सफलता की ताकत है। शुरुआत में मेरे पास गाड़ी नहीं थी। मुझे बस, ट्रेन और निजी वाहन से सफर करना पड़ता था। मेरे गांव में पानी की कमी एक बड़ी समस्या थी। मैंने महसूस किया कि सिर्फ एग्रीकल्चर पर ध्यान देने से सीमित सफलता मिलती है। इसके बाद मैंने हेल्थकेयर और अन्य क्षेत्रों पर भी काम शुरू किया।शुरुआत में आत्मविश्वास की कमी, हर चीज की जानकारी ना होना और डायरी में काम नोट न करना मेरी कमजोरियां थीं। मैंने ट्रेनिंग और सेमिनार के माध्यम से इन कमजोरियों पर काम किया।

मेरे लिए सफलता का मतलब है—कड़ी मेहनत, स्मार्ट वर्क और अपनी टीम को सही दिशा में ले जाना। Learn + Do + Teach = Success यह मेरा मंत्र है। मैं पिशले २० वर्षों से ३ सिधान्तो का पालन कर रहा हूँ|

1.सिखना, करना और सिखाना: ज्ञान हासिल करना और उसे दूसरों तक पहुंचाना।

2.समर्पण और अनुशासन: हर दिन अपने लक्ष्य की ओर बढ़ना।

3.लक्ष्य प्राप्त करना: जो ठान लिया, उसे हर हाल में पूरा करना।

ग्रीन प्लेनेट से जुड़ने के बाद मैंने ज़हर-मुक्त अनाज उगाने का सपना पूरा किया। 21 अक्टूबर 2019 को ग्रीन प्लेनेट के माध्यम से मेरा फोर-व्हीलर का सपना पूरा हुआ, मैंने पहली ड्रीम कार न्यु स्विफ्ट ली| ग्रीन प्लैनेट के माध्यम से मुझे अब तक 6 बार विदेश यात्रा का अवसर मिला है, जिसमें मैंने थाईलैंड, सिंगापुर और मलेशिया जैसे देशों का दौरा किया। इसके अलावा, अपने परिवार के साथ मैं जयपुर, मैसूर, ऊटी, हरिद्वार, मुंबई, आगरा, मथुरा, महाबलेश्वर, वाघा बॉर्डर, अमृतसर, दिल्ली और गोवा जैसे प्रमुख घरेलू पर्यटन स्थलों की यात्रा करने का अवसर मिला| हम हर साल कम से कम दो से तीन बार परिवार के साथ यात्रा का आनंद लेते हैं। ग्रीन प्लैनेट के साथ जुड़ने से मुझे अब तक लगभग 75 से 80 लाख रुपये की आय प्राप्त हुई है, जो मेरे जीवन में एक बड़ी उपलब्धि है।मैं भारत के हर युवा को ग्रीन प्लेनेट के माध्यम से रोजगार देना चाहता हूं। मेरा सपना है कि हमारी टीम हर महीने एक नया स्टार लेवल हासिल करे।ग्रीन प्लेनेट के साथ जुड़े रहकर हम लाखों लोगों तक "Save the Mother Earth" का Mission पहुंचा सकते हैं। आइए, एकजुट होकर इस मिशन को आगे बढ़ाएं और सफलता की नई ऊंचाइयों को छूएं।

Green Planet
SINCE 2002

कैनोपी डे

किसान मेला : पुणे -2024

किसान मेला : पुणे -2024

Green Planet
SINCE 2002

ग्रीन प्लैनेट बायो प्रोडक्ट्स

जी.पी पॉवर,1-अमर गार्डन नियर पठानकोट चौक जालंधर -पंजाब (144004.)
Customercare@greenplanetindia.com || www.greenplanetindia.com
Toll Free No : 1800-137-4699